हिन्दुस्त

शिविर में ग्रामीणों तक पहुंचाईं बैंकिंग सेवाएं

शिविर में बुधवार को बैंकिंग सेवाओं की जानकारी देते अधिकारी।

धनबाद, प्रमुख संवाददाता। निरसा के सासनबेड़िया और बाघमारा के रंगुनी में बुधवार को वित्तीय समावेशन व पुनः केवाईसी शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य लोगों को बैंकिंग और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना है। आरबीआई रांची के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने शिविरों का निरीक्षण किया। मौके पर एसबीआई धनबाद अंचल के उप महाप्रबंधक विजय कुमार, बैंक ऑफ इंडिया के उप आंचलिक प्रबंधक अभ्रतनु चंद और अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार शामिल थे। क्षेत्रीय निदेशक ने किसानों की सुविधा के लिए देर शाम तक शिविर चलाने और सरलीकृत केवाईसी फॉर्म का अधिकतम उपयोग करने का निर्देश दिया। डिजिटल बैंकिंग, आरबीआई ओम्बड्समैन योजना, मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना जैसी वित्तीय योजनाओं की जानकारी दी गई। नए जन-धन खाते खोले गए। निष्क्रिय खाते सक्रिय किए गए। साथ ही बीमा योजनाओं में नामांकन और ग्राहक सेवा से संबंधित समस्याओं का समाधान किया गया। बैंक ऑफ इंडिया ने शिविर में नोडल बैंक की भूमिका निभा रहा है। शिविर 30 सितंबर तक लगेगा।

आत्मनिर्भरता की कुंजी वित्तीय साक्षरता

धनबाद। आरबीआई रांची के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने वित्तीय समावेशन शिविर के दौरे के दौरान वित्तीय साक्षरता को आत्मनिर्भरता की कुंजी बताते हुए लोगों से अभियान से जुड़ने की अपील की। वित्तीय साक्षरता समाज में आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में अहम भूमिका निभाती है। आरबीआई विश्व के अन्य केंद्रीय बैंकों से इसलिए विशिष्ट है, क्योंकि वह मौद्रिक नीति, मुद्रास्फीति नियंत्रण, विदेशी मुद्रा प्रबंधन और बैंकों के लिए बैंक की भूमिका निभाने के साथ वित्तीय समावेशन, वित्तीय शिक्षण और जनजागरुकता जैसे विकासात्मक कार्यों को भी नियमित रूप से करता है।

हिंदुस्तान, धनबाद, 5 अगस्त 2025